केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

मुख्यालय, दिल्ली

प्रशासन एकक द्वारा हिंदी गतिविधि का आयोजन

- एक संक्षिप्त रिपोर्ट

राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार के तहत बोर्ड मुख्यालय की प्रशासन शाखा की इकाइयों द्वारा 20 मई, 2024 को हिंदी साहित्यकार एवं कवि सुमित्रानंदन पंत के जन्म दिवस पर निम्नानुसार हिंदी गतिविधि का आयोजन किया गया:-

स्थान: बोर्ड मुख्यालय, तृतीय तल अपराह्न 4 बजे

हिंदी गतिविधि: महाकवि सुमित्रानंदन पंत की कविताओं का पाठ एवं वर्तमान परिपेक्ष्य में उनकी रचनाओं पर चर्चा

श्री गुलाब सिंह अवर सचिव, (कार्मिक) ने श्रीमती कैथरीन, संयुक्त सचिव (आईटी) श्री संजीव शर्मा, उप सचिव (प्रशासन), प्रीतम सलूजा, अवर सचिव (प्रशासन) को संबोधित करते हुए उपर्युक्त कार्यक्रम में सभी कार्मिकों का अभिनंदन किया। इसके उपरांत, श्रीमती पूनम मल्होत्रा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रशासन 2 व 3, कार्मिक ए एवं बी, और हिंदी प्रकोष्ठ आदि शाखाओं के कुल मिलाकर लगभग 45 कार्मिकों ने भाग लिया। श्रीमती पूनम मल्होत्रा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने प्रतिभागियों के समक्ष कार्यक्रम का प्रयोजन और रूपरेखा रखी:-

<u>हिंदी प्रकोष्ठ:-</u> श्रीमती पूनम मल्होत्रा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने सुमित्रानंदन पंत का जीवन परिचय उनकी उत्कृष्ट कृतियों एवं पंत जी को हिंदी साहित्य से संबंधित प्राप्त पुरस्कारों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने पंत जी की कविता "मैं सबसे छोटी होऊँ" कविता का पाठ किया जिसके कुछ अंश इस प्रकार है:-

"मैं सबसे छोटी होऊँ, तेरी गोद में सोऊँ
तेरा अंचल पकड़ -पकड़कर
फिरूँ सदा माँ! तेरे साथ कभी न छूऊँ तेरा साथ!".....

श्री गुलाब सिंह अवर सचिव, कार्मिक ने पंत जी कविता 'लहरों के गीत' का वाचन किया जिसके कुछ अंश इस प्रकार है:-

"अपने ही सुख से चिर चंचल
हम खिल खिल पड़ती हैं प्रतिपल
जीवन के फेलिन मोती की
ले ले चल करतल में टलटल!"

इसके अतिरिक्त, उन्होंने हास्य कवि श्री गोपाल प्रसाद व्यास की हास्य कविता का वाचन किया जिसके कुछ अंश इस प्रकार है:-

एक मित्र बोले, "लाला, तुम किस चक्की का खाते हो?
इस डेढ़ छटांक के राशन में भी तोंद बढ़ाए जाते हो
क्या रखा मांस बढ़ाने में, मनहूस, अक्ल से काम करो
संक्रांति-काल की बेला है, मर मिटो, जगत में नाम करो"

श्रीमती नेहा शुक्ला, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने पंत जी के छायावाद, प्रगतिवाद एवं अध्यात्मवाद की जानकारी दी साथ ही उनकी काव्य शैली एवं कृतियों के विषय पर चर्चा की और उनकी पल्लव काव्य संग्रह में प्रकाशित सर्वोत्तम रचना "परिवर्तन" के कुछ अंश पढ़ें जो कि इस प्रकार है:-

"हे निष्ठुर परिवर्तन!
तुम्हारा ही तांडव विवर्तन
विश्व का करुण विवर्तन!
तुम्हारा ही नयनोन्मीलन
निखित उत्थान पतन!"

<u>प्रशा 2 एवं 3</u>:- एकक से श्री निशांत भारतीय, अधीक्षक ने रामधारी सिंह दिनकर की कविता 'पक्षी और बादल' सतीश शाह, अनुभाग अधिकारी ने माखन लाल चतुर्वेदी की कविता 'पुष्प की अभिलाषा' और धुरेन्द्र, वरिष्ठ सहायक ने महान गीतकार साहिर लुधियानवी का गीत पढ़ा जिसके अंश इस प्रकार है:-

"दो बूँदे सावन की
इक सागर की सीप में टपके और मोती बन जाये
दूजी गंदे जल में गिरकर अपना आप गंवाये
किसको मुजरिम समझे कोई, किसको दोष लगाये"

<u>कार्मिक ए एवं बी</u>:- एकक से श्रीमती सुंदरियाल, अधीक्षक ने **"कुसुमों के जीवन का पल"** कविता का पाठ किया एवं श्रीमती बबीता, अधीक्षक ने पंत जी की **"नभ की है उस नीली चुप्पी पर"** नामक शीर्षक की कविता सुनाई।

<u>आईटी प्रशासन:-</u> से सुश्री उमा देवी, निजी सहायक ने 'जीवन का अधिकार' शीर्षक नाम से पंत जी एक मार्मिक कविता का पाठ किया जिसके अंश इस प्रकार है:-

"जो समर्थ है, जो शक्तिमान है
जीवन का है अधिकार उसे
उसकी लाठी का बैल विश्व,
पूजता सभ्य संसार उसे!"

उक्त कविताओं के वाचन के बाद संयुक्त सचिव (आईटी प्रशासन) ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप एक-एक पुरस्कार प्रदान किए।इसके अतिरिक्त, उप सचिव (प्रशासन) ने सभी प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों से न केवल हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी बल्कि इससे साहित्यिक जानकारी का भी वर्धन होगा।

श्रीमती पूनम मल्होत्रा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने सभी अधिकारियों को हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के प्रति भागीदार होने के लिए जल की धारा का ऊपर से नीचे की ओर बहने का उदाहरण दिया जिसका अर्थ यह है कि यदि उच्च अधिकारी हिंदी के प्रचार एवं प्रसार में योगदान देंगे तब उनके अधीनस्थ कार्मिक भी प्रोत्साहित होकर भाग लेंगे।

270646/2024/HINDI SECTION

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उत्साहपूर्ण भागीदारी दी। इस प्रकार यह हिंदी गतिविधि सम्पन्न हुई।

झलकियाँ

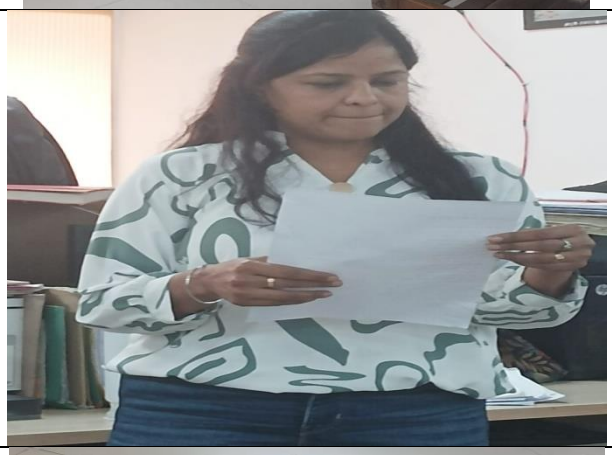

270646/2024/HINDI SECTION